TRIBAL - COMMUNITY SUFFERING FROM HEMATOLOGICAL DISORDER, BY MI- VH LIFE BECOME FRUITFUL

दैनिक भास्कर

झाबुआ 19-01-2023

महिला में हीमोग्लोबिन 1.6 ग्राम था, 3.5 होते ही की सर्जरी ताकि जान बच जाए

दाहोद के अस्पताल में सर्जरी कर गर्भाशय निकाला

भास्कर संवाददाता | झाबुआ

दाहोद के एक अस्पताल में महिला की जान बचाने के लिए डॉक्टरों ने जटिल ऑपरेशन करने में सफलता प्राप्त की है। महिला को एक महीने से लगातार रक्त स्त्राव हो रहा था। शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा महज 1.6 ग्राम बची थी। वो एप्लास्टिक एनीमिया के साथ गर्भाशय पर गठान की बीमारी से जूझ रही थी। काफी कोशिश के बाद भी रक्त स्त्राव बंद नहीं हुआ। यहां तक कि हार्मोनल ट्रीटमेंट का असर भी नहीं हो रहा था। उसके प्लेटलेट्स महज 4 हजार बचे थे, डब्ल्यूबीसी 2100 हो गए थे और दूसरी कई जटिलताएं थीं। आखिर में डॉक्टर ने तय किया कि मरीज की जान बचाने के लिए फौरन गर्भाशय निकालना जरूरी है। एचबी 3.5 होते ही वेजिनल स्टेक्टोमी करके बिना एक भी बूंद खून बहाए गर्भाशय निकाला गया।

अब महिला होश में है और जल्द ही डिस्चार्ज की जाएगी। दाहोद के पड़वाल हॉस्पिटल में डॉ. राहुल पड़वाल ने ये सर्जरी एनेस्थेटिक डॉ. आशिनक साधलिया के साथ की। रिसर्च करने पर पता चला एक मिलियन में से 2.3 लोगों को ये बीमारी हो सकती है। झाबुआ जिले की सीमा पर बसे गुजरात के गांव गमला की 35 साल की महिला की सर्जरी की गई। सर्जरी के समय प्लेटलेट्स 8 हजार थे। एप्लास्टिक एनीमिया का इलाज बोन मेरो ट्रांसप्लांट है। इसमें लाखों का खर्च है। लेकिन तुरंत महिला की जान बचाने के लिए ऑपरेशन करना जरूरी हो गया था।

अब महिला का रक्त स्त्राव बंद होने से उसे ब्लड चढ़ाने पर हीमोग्लोबिन में सुधार होगा। पहले 10 बोतल चढ़ाई, लेकिन असर नहीं हो रहा था। आधे घंटे के भीतर सर्जरी की गई और अब मरीज स्वस्थ है। एचबी 7.7 हो चुका है। आमतौर पर एचबी 10 ग्राम, प्लेटलेट्स 20 हजार होने पर ही सर्जरी की जाती है। एनेस्थेटिक डॉ. आशिनक ने बताया, 35 साल के करियर में पहली बार 8 हजार प्लेटलेट्स में सर्जरी की गई।

સતત રક્તસ્ત્રાવ, 1300 પ્લેટલેટ, 3 ટકા HB, 453 ન્યુટ્રોફિલ કાઉન્ટ છતાં મહિલાના ગર્ભાશયનું સફળ ઓપરેશન

એપ્લાસ્ટિક એનિમીયાનું જટીલ ઓપરેશન કરનાર દાહોદના તબીબ રાહુલ પડવાલે ભાસ્કર માટે લખ્યું

માત્ર 3 % HB વચ્ચે ઓપરશન અશક્ય અને જીવલેણ હતુ પણ ચેલેન્જ સ્વિકારી 20 મિનિટમાં જ ઓપરેશન પાર પાડ્યું

કયા કારણોસર બીમારી થાય છે

બીમારીના લક્ષણો કયા છે